रजि. 2199-57 ❀ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❀ जनवरी-मार्च, 2024

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-69 अंक : 01

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

जन जागरूकता कार्यक्रम : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में जन जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 02 जनवरी, 2024 को आयोजित किया गया। इसमें इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अन्तर्गत संचालित समस्त इकाईयों के कार्मिक उपस्थित हुए।

नवगठित समिति की बैठक : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अन्तर्गत संचालित जे.एस.एस., लखनऊ के आफिसियल मेम्बर्स की एक बैठक दिनांक 06 जनवरी, 2024 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भुसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने किया। इस बैठक में मंत्रालय के निर्देशानुसार गैर सरकारी सदस्यों के चयन को अन्तिम रूप दिया गया।

स्मार्ट बोर्ड संचालन का प्रशिक्षण : मेसर्स ब्लूमेन टेक्नोलॉजी द्वारा स्मार्ट बोर्ड के संचालन हेतु आई.एल.बी. के कार्मिकों के प्रशिक्षण का आयोजन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड परिसर में दिनांक 05 फरवरी, 2024 को किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्बन्धित कार्मिकों तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस-2024) : साक्षरता निकेतन परिसर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मा. अध्यक्ष,

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा झण्डारोहण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सहित साक्षरता निकेतन के समस्त स्टाफ तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स एकेडमी की प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

कार्यकारिणी समिति तथा साधारण सभा की बैठक सम्पन्न : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की कार्यकारिणी समिति तथा साधारण सभा की बैठक दिनांक 24 फरवरी, 2024 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड परिसर में सम्पन्न हुई। यह बैठक बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भुसरेड्डी, आई.ए.एस.(से.नि.) की अध्यक्षता में आहूत की गई।

नवीन भवन का लोकार्पण : दिनांक 07 मार्च 2024 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की इकाई 'वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी' के नवीन भवन का लोकार्पण बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि यू. पी. बोर्ड के द्वारा विद्यालय में इण्टरमीडिएट कक्षाओं के संचालन की स्वीकृति का प्रस्ताव विचाराधीन है। इण्टरमीडिएट कक्षाओं के संचालन की स्वीकृति शीघ्र ही प्राप्त हो जाएगी।

अध्यक्ष महोदय ने अपने सम्बोधन में बताया कि नवीन भवन की कुल लागत ₹1,42,70,000.00 (एक करोड़ बयालिस लाख सत्तर हजार मात्र) आई है। इसका निर्माण गन्ना विकास विभाग द्वारा आई.एल.बी. की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) के कुशल निर्देशन में कराया गया है। नव निर्मित भवन में कुल 14 कक्षों का निर्माण किया गया है। साथ ही छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक-पृथक उच्च स्तरीय शौचालयों का निर्माण भी कराया गया है।

उन्होंने अपने सम्बोधन में यह भी बताया कि नवीन भवन के सभी कक्षों में सिंगल केबिल नेटवर्किंग प्रणाली तथा स्मार्ट बोर्ड लगवाए गए हैं। इससे भवन में स्मार्ट क्लासेज का संचालन सुचारू रूप से किया जा सकेगा।

स्पेशल एजुकेटर्स का प्रशिक्षण : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ परिसर में दिनांक 11 से 20 मार्च, 2024 तक स्पेशल एजुकेटर्स के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 300 प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां की गतिविधियाँ

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां पर कृषक प्रशिक्षण सम्पन्न : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अन्तर्गत संचालित कृषि प्रक्षेत्रों पर क्रमशः बिजनौर पर दिनांक 18-20 जनवरी एवं 27-31 जनवरी, 2024 तक तथा नींवा पर दिनांक 19-21 फरवरी एवं 26-28 फरवरी, 2024 तक कुल 04, तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 149 किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसमें इफ्को के सहयोग से ड्रोन से नैनो यूरिया और नैनो डी.ए.पी. के छिड़काव का प्रदर्शन कराया गया। विषय विशेषज्ञों के माध्यम से किसानों को जैविक खेती, मोटे अनाज की खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन, खाद्य प्रसंस्करण, गन्ने की खेती एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं आदि विषयों पर उपयोगी जानकारी प्रदान की गयी। बिजनौर के कृषक प्रतिभागियों को दिनांक 30 जनवरी, 2024 को केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान एवं राज्य कृषि संस्थान, मलिहाबाद, लखनऊ पर प्रशिक्षण भ्रमण कराया गया। नीवां के कृषक प्रतिभागियों को दिनांक 15 मार्च, 2024 में कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर वि.वि. (उद्यान विभाग) लखनऊ का प्रशिक्षण भ्रमण कराया गया। निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा प्रमाण-पत्र तथा जूट बैग में प्रशिक्षण सामग्री का वितरण किया गया।

❑❑❑

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	पद्म भूषण एवं पद्मश्री श्री चण्डी प्रसाद भट्ट	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री दया शंकर, मेस सहायक	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

बसन्त पंचमी, 14 फरवरी, 2024 :

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स एकेडमी में बसन्त पंचमी के पावन अवसर पर शिक्षा की देवी माँ सरस्वती का पूजन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की निदेशिका सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात विद्यालय 'वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स एकेडमी' की प्रधानाचार्या के साथ विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा भी विद्या की देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वाणी-वन्दना प्रस्तुत कर माँ सरस्वती के चरणों में अपनी श्रद्धा प्रकट की गई।

आशीर्वाद समारोह का आयोजन :

कक्षा-10 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का आशीर्वाद समारोह दिनांक 14 फरवरी को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक महोदया सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं प्रधानाचार्या ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इसके उपरान्त विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया।

यह कार्यक्रम विद्यालय के कक्षा-9 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संस्थान की तरफ से बच्चों व विद्यालय के शैक्षिक स्टाफ के लिए मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधि

पंजीकृत असाक्षरों की परीक्षा सम्पन्न : राज्य संसाधन केन्द्र उत्तर प्रदेश इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ द्वारा जिला सीतापुर ब्लाक- सिधौली के न्याय पंचायत मऊ में संचालित साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 30 केन्द्रों पर पंजीकृत असाक्षर लाभार्थियों की परीक्षा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से सम्पन्न कराई गई। राज्य संसाधन केन्द्र द्वारा जनपद सीतापुर की मऊ न्याय पंचायत में दिनाँकः 06.09. 2023 को छः माह आधारित 30 साक्षरता केन्द्र संचालित किए गए थे। इन केन्द्रों पर योजित प्रेरकों के माध्यम से नई किरण प्रवेशिका का वितरण किया गया। यही नहीं असाक्षर लाभार्थियों को प्रेरकों, विषय विशेषज्ञों एवं सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा सरल तरीके से साक्षर करने की तकनीकी से साक्षर किया गया।

उक्त संचालित केन्द्रों पर कुल 646 असाक्षर लाभार्थियों को पंजीकृत किया गया था। बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अखिलेश सिंह व खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री संजय कुमार सिंह के निर्देशानुसार सात परीक्षा केन्द्रों पर दिनाँक 17 मार्च, 2024 को परीक्षा सम्पन्न हुई, जिसमें कुल 625 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें 108 पुरुष लाभार्थी व 517 महिला लाभार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। उक्त परीक्षा प्रधानाध्यापक प्रवीन कुमार शुक्ला, प्रधानाध्यापक अनूप वर्मा, प्रधानाध्यापिका अर्चना चौधरी, प्रधानाध्यापिका उमा श्रीवास्तव, सहायक शिक्षक जय प्रकाश मिश्रा, प्रधानाध्यापिका रश्मी श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक रहीस खान, प्रधानाध्यापक देव नारायण मौर्या के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। परीक्षा के दौरान राज्य संसाधन केंद्र उत्तर प्रदेश, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड लखनऊ के प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह, प्रोग्राम फैसिलिटेटर नवीन कुमार, न्याय पंचायत समन्वयक ओमप्रकाश, प्रेरक प्रदीप कुमार मिश्रा, अभिनव दीक्षित, निशा यादव, केतकी यादव सहित तीस प्रेरक उपस्थित रहे।

माह अगस्त 2023 में छः माह हेतु दो प्रशिक्षण केन्द्रों की अवधि माह फरवरी, 2024 में पूर्ण हो गई थी। इन दोनों केन्द्रों की परीक्षा भी यथासमय सम्पन्न करा ली गई थी।

उक्त दो केन्द्रों में से एक केन्द्र महिला असाक्षरों हेतु तथा दूसरा केन्द्र पुरुष असाक्षरों को शिक्षित किए जाने हेतु संचालित किया गया था। इसमें महिला केन्द्र का संचालन सुश्री जेया फातिमा तथा दूसरे पुरुष केन्द्र का संचालन सैयद अरशद रिजवी द्वारा किया गया। यह केन्द्र दिनांक 16 अगस्त 2023 से संचालित किए जा रहे थे।

उक्त केन्द्रों पर पठन-पाठन सामग्री नई किरन प्रवेशिका राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा यथा समय सम्बन्धित प्रेरकों को उपलब्ध करा दी गयी थी। प्रत्येक केन्द्र पर 20-20 महिला एवं पुरुष असाक्षरों को पंजीकृत किया गया था। सभी पंजीकृत महिला व पुरुष असाक्षरों को राज्य संसाधन केन्द्र के निर्देशानुसार नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से शिक्षित करने का कार्य सम्बन्धित प्रेरकों द्वारा निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया गया। इसी क्रम में पंजीकृत असाक्षरों की परीक्षा भी निर्धारित समयावधि फरवरी, 2024 में पूर्ण करा ली गई।

कार्यकारिणी तथा प्रबन्ध निकाय की बैठक : राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की कार्यकारिणी समिति तथा प्रबन्ध निकाय की एक बैठक इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के परिसर में दिनांक 23 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भुसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने किया।

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय उद्यमिता कार्यशाला : दिनांक 16.01.2024 को विवेकानन्द सभागार, साक्षारता निकेतन परिसर में जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के अनुदेशकों, लाभार्थियों एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों हेतु उद्यमिता विकास कार्यशाला आयोजित की गई। EDII अहमदाबाद तथा जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारियों द्वारा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकर की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी के साथ ही ऋण हेतु प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना, उद्यम स्थापित करना इत्यादि की भी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान की गई।

कौशल भवन नई दिल्ली में प्रदर्शनी : दिनांक 24.01.2024 को नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा कौशल भवन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर देश के अन्य जन शिक्षण संस्थानों के साथ ही जन शिक्षण संस्थान, (सा.नि.) लखनऊ द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा जन शिक्षण संस्थान के कार्यों एवं प्रदर्शनी को सराहा गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की प्रशिक्षिका श्रीमती अंचला देवी एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री अवधेश कुमार ने प्रतिभाग किया।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-भाषा दिवस : अन्तराष्ट्रीय मातृ-भाषा दिवस के उपलक्ष्य में जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा कार्यालय परिसर में संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मातृ-भाषा के विषय में प्रशिक्षणरत् प्रशिक्षाणार्थियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। मातृ-भाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु प्रशिक्षाणार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव : नेहरू युवा केंद्र संगठन, लखनऊ, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा उत्तर प्रदेश के जनपद स्तरों पर आयोजित जिला युवा उत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा- कविता पाठ, पेंटिंग, फोटोग्राफी, भाषण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। यह दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहरी एवं आवास मंत्री कौशल किशोर जी विशिष्ट अतिथि एवं श्री दानिस आजाद अंसारी जी (मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अन्तर्राष्टीय महिला दिवस : दिनांक 08 मार्च 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर जन शिक्षण संस्थान साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक सौरभ कुमार खरे ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों की सराहना की। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि महिलाएं ही सृष्टि हैं तथा महिलाओं के बिना दुनिया का कोई भी कार्य सम्भव नहीं है। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा 05 सफल महिला अनुदेशिकाओं व महिला उद्यमी नियोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संस्थान के निदेशक श्री सौरभ खरे ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो हमें महिलाओं की वीरता की कई मिसालें मिल जाती हैं। महिलाएँ देश की गरिमा बढ़ाने का संकल्प लें तो कुछ ही समय में वह अपनी अनुभूति के बल पर देश बदल सकती हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता यूनिसेफ से डी.टी.आर.टी अनिल द्विवेदी ने महिलाओं के कामों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को हिंसा के प्रति जागरूक होना पड़ेगा और अपने अधिकारों के प्रति उन्हें भी अपनी आवाज उठानी पड़ेगी। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा पाँच सफल महिला अनुदेशिकाओं में सुश्री निशा यादव, अंचला देवी, सोनू शर्मा, सौम्या द्विवेदी एवं मनीषा वर्मा तथा पाँच सफल उत्कृष्ट महिला उद्यमियों में काजल, कामिनी, दरक्षा अंजुम, प्रियंका चौरसिया एवं सिमरन महिला उद्यमी नियोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने किया। कार्यक्रम सहयोगी सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा, अकाउंटेंट कम मैनेजर आई.पी. गुप्ता सहित संस्थान की प्रशिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। ☐☐☐

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-69, अंक : 01
जनवरी-मार्च, 2024

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र नहीं बन सकता। इसलिए राष्ट्र भाषा का होना आवश्यक है। ग्राम सेवकों की भाषा ऐसी होनी चाहिए, जिसे सभी वर्ग के लोग सहज ही समझ सकें।

- महात्मा गाँधी

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

एक दिवसीय ओरियंटेशन ट्रेनिंग कार्यक्रम : दिनांक 10 जनवरी, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा कार्यालय परिसर में असिस्टेंट ड्रेस मेकर कोर्स से सम्बन्धित प्रशिक्षिकाओं के लिए ओरियंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसमें सिंगर कंपनी के टेक्नीशियन एवं प्रमोटरों द्वारा आधुनिक तरीके की मशीनों पर काम करने की ट्रेनिंग दी गयी। उक्त अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक एवं सिंगर कम्पनी के सिद्धार्थ मिश्रा ने समय की माँग एवं बाजार में प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इण्डस्ट्रियल मशीनों की ट्रेनिंग के आयोजन पर बल दिया।

लाइव स्ट्रीमिंग-इण्डिया स्किल्स कम्पीशन (15 जनवरी, 2024) : केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कौशल भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इंडिया स्किल्स 2023-24 का शुभारंभ किया। श्री प्रधान ने सभी को रोजगारपरक कौशल शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उक्त कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।

पठन-पाठन सामग्री का वितरण : दिनांक 24 जनवरी, 2024 को केस्को कानपुर में संस्थान द्वारा संचालित हेल्पर-इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन के दो बैंचों के प्रतिभागियों को नोटबुक एवं पठन-पाठन सामग्री का वितरण केस्को के अधीक्षण अभियंता श्री प्रवेश कुमार द्वारा किया गया।

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी, 2024) : गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय प्रांगण में उ.प्र. वित्तीय निगम, कानपुर के संपदा प्रभारी श्री दीपांकर द्वारा झण्डारोहण किया गया। इसके उपरान्त संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने संविधान में प्रदत्त अधिकारों के महत्व पर चर्चा की। जन शिक्षण संस्थान, द्वारा संचालित अन्य प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थीगण उपस्थित हुए।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम : दिनांक 27 जनवरी, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर में संचालित असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर, ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट ड्रेस मेकर के सफल प्रतिभागियों को कार्यालय परिसर में प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

प्रबन्ध मण्डल की बैठक : दिनांक 10 फरवरी, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के प्रबन्ध मण्डल की बैठक का आयोजन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, परिसर, लखनऊ में किया गया । बैठक की अध्यक्षता श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस.(से.नि.) माननीय अध्यक्ष, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा की गयी। बैठक उपरान्त प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ स्थित लाइब्रेरी एवं प्रार्थना-स्थल भवन का भ्रमण कराया गया ।

बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस.(से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सदस्य-सचिव श्री सुशील कुमार पाठक एवं माननीय सदस्यगण उपस्थित रहे।

बंसत पंचमी पर्व का आयोजन : इस अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण के साथ सरस्वती वंदना की गयी। उक्त अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी, प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम : जनपद कानपुर, कानपुर देहात एवं उन्नाव के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय (26 एवं 27 फरवरी) नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क का जनरल मास्टर ट्रेनिंग प्रशिक्षण एन.एस.टी.आई. कैम्पस, उद्योग नगर, कानपुर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में तीन जन शिक्षण संस्थानों के 70 प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया, जिसमें जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के 36 प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

श्री एम. कुमारविल ने बताया किया इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें बाजार के आवश्यकता अनुरूप तैयार करना है।

कार्यक्रम में NSTI, Kanpur के पाठ्यक्रम समन्वयक श्री विनोद शर्मा द्वारा NSQF पाठ्यक्रम से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। उक्त के अतिरिक्त श्री आर.के. साहू, कोर्स कोआर्डिनेटर द्वारा Learner Behavior के बारे में जागरुक किया गया। राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के श्री आशीष केसवानी, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा व्यक्तिव विकास एवं श्री रीतेश मौर्या, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा मोटिवेशनल टेक्निक्स पर प्रशिक्षकों को जागरुक किया गया ।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 07 मार्च, 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर सिविल लाइन्स, कानपुर में किया गया । कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा मुख्य अतिथि श्रीमती उषा गुप्ता, माननीय सदस्य, प्रबन्ध मण्डल, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर को जिन्मोस्पर्म पौधा देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वागत गीत गाकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया एवं प्रशिक्षणार्थी इल्मा फातिमा, समता वर्मा, रुचि, स्वेच्छा सिंह, नैन्सी, उर्वशी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने-अपने विचार रखें ।

मुख्य अतिथि श्रीमती उषा गुप्ता, माननीय सदस्य, प्रबन्ध मण्डल, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एवं अपने हक के लिये लड़ने के लिये जागरूक किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के असिस्टेंट ड्रेस मेकर, ब्यूटीकेयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर के प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया । □□□

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

वार्षिक कार्य-योजना 2023-24 : भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुमोदित कार्य-योजना के अनुसार जन शिक्षण संस्थान, देहरादून को 9 व्यवसायों के 90 प्रशिक्षण बैचों में 1800 महिला/पुरुषों को प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित था। उक्त के सापेक्ष में संस्थान द्वारा उक्त कार्य-योजना के अनुसार 9 व्यवसायों के 90 प्रशिक्षण बैचों का प्रशिक्षण कार्य संचालन कर दिया गया, जिनमें 56 प्रशिक्षणों बैचों का प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष प्रशिक्षण बैचों का प्रशिक्षण कार्य 31 मार्च, 2024 तक पूर्ण कर लिया गया।

ऋण मेले का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 11.01.2024 के दिन विकासखण्ड सभागार, सहसपुर में ऋण मेले का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्य मंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अतिसूक्ष्म आदि पर विस्तृत जानकारी दी गई। लोन मेला कार्यक्रम में कुल 32 प्रतिभागी सम्मिलित हुए जिसमें से 13 प्रतिभागियों द्वारा लोन के लिए पंजीकरण करवाया गया।

गणतंत्र दिवस का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय परिसर में झण्डारोहण किया गया जिसमें संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित हुए। झण्डारोहण के पश्चात जन-गण मन का सम्मिलित स्वर में गान किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : संस्थान द्वारा 21 फरवरी, 2024 को मातृभाषा दिवस का आयोजन संस्थान के प्रशिक्षण केन्द्र पटेल नगर के सभागार में सेवा भारत संस्थान के

सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के निदेशक सहित संदर्भदाता एवं प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित हुए।

यूनेस्को द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष एक थीम रखी जाती है। इस वर्ष 2024 की थीम 'बहुभाषी शिक्षा-पीढ़ीगत शिक्षा का आधार' रखी गई है। इस दिन सम्पूर्ण विश्व में भाषा और संस्कृति से जुड़े अलग-अलग तरह के कार्यक्रम किए जाते हैं।

बसन्तोत्सव वर्ष 2023-24 : उत्तराखण्ड राजभवन में बसन्तोत्सव के अवसर पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का दिनांक 1 से 3 मार्च, 2024 तक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के सरकारी व गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाए गए। बसन्तोत्सव में जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा भी स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल में संस्थान के स्वयं सहायता समूहों व प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार सामान की प्रर्दशनी लगाई गई, जिसे काफी सराहा गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा कार्यक्रम का आयोजन, बैरागीवाला, लखनवाला, विकास खण्ड विकासनगर, देहरादून में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान सुश्री साहिना प्रवीन, स्थानीय प्राथमिक विद्यालय लखनवाला की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मधु, सहायक अध्यापिका श्रीमती रेखा, जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता सुश्री राधा यादव, संस्थान के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ उपस्थित थीं। उन्होंने जन शिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की।

इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, ने संस्थान के माध्यम से चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान अपनी स्थापना के वर्ष 2004 से ही कर रहा है। जिसका लाभ सभी वर्गों के लोगों को प्राप्त हो रहा है।

□□□

बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009

बाल शिक्षा का तात्पर्य देश के बच्चों को शिक्षित कर उनकी प्रतिभा को संवारने से है। किसी राष्ट्र के शिक्षित नागरिक ही उस राष्ट्र का चहुँमुखी विकास कर सकते हैं। इसीलिए कहा भी गया है कि 'शिक्षा है अनमोल रतन, पढ़ने का सब करो जतन'।

इसी दृष्टिकोण के आधार पर हमारे देश भारत के संविधान के छियासिवें संशोधन अधिनियम के अन्तर्गत अनुच्छेद 21-क में सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्राविधान किया गया है। भारत सरकार ने वर्ष 2009 में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का कानून बनाया है। इस कानून को निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई अधिनियम 2009) के रूप में जाना जाता है। इस अधिनियम में छः से चौदह आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाना प्राविधानित है। इस अधिनियम के अनुसार गुणवत्ता- परक पूर्णकालिक प्रारम्भिक शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। अधिनियम में प्रारम्भिक शिक्षा का तात्पर्य कक्षा एक से आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई से है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम का तात्पर्य मात्र बच्चों के मध्य साक्षरता फैलाना ही नहीं वरन् उनमें ज्ञान, प्रतिभा और मानवीय क्षमाताओं का निर्माण करना भी है। इस अधिनियम का उद्देश्य है कि सभी सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले सभी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाए। वहीं अधिनियम में निजी विद्यालयों को भी अपने विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले एस. सी., एस. टी. और ओ. बी. सी. वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया है। ऐसे निजी

विद्यालय अपने विद्यालयों में 25 प्रतिशत तक बच्चों को गुणवत्तापरक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे। इस प्रकार छः से चौदह आयु वर्ग के प्रत्येक बालक-बालिका को अपने नजदीक के विद्यालय में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रवेश लेने का अधिकार प्रदान किया गया है।

इससे उक्त आयु वर्ग के बच्चों को अपने आस-पास के क्षेत्र में स्थित स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त हो सकेगी और उन्हें शिक्षित कर उनके भविष्य की नींव तैयार हो सकेगी। बच्चों को इस प्रकार प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए किसी प्रकार की स्कूल फीस नहीं ली जाएगी। यही नहीं विद्यालय ऐसे बच्चों के अभिभावकों से कोई अप्रत्यक्ष फीस जैसे- यूनीफार्म, पाठ्य पुस्तकें, परिवहन, मध्यान्ह भोजन आदि के रूप में भी कोई धनराशि नहीं ले सकेंगे। सरकार ऐसे सभी बच्चो को उनकी प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक निःशुल्क व्यवस्था सुनिश्चित कराएगी।

यदि किसी कारण छः वर्ष की आयु के बच्चे को स्कूल में प्रवेश नहीं प्राप्त हो सका और उसकी उम्र अधिक हो जाती है तो ऐसे बच्चे को उसकी आयु के अनुसार उचित कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे बच्चों की पूर्व कक्षाओं की भी पूरी तैयारी कराई जाएगी।

इसी प्रकार यदि किसी कारण कोई छात्र अपने अभिभावक अथवा माता पिता के साथ किसी दूसरे स्थान पर चला जाता है तो उसे उस नए स्थान पर नजदीक के विद्यालय में प्रवेश लेने का अधिकार होगा। यही नहीं एसे बच्चे को प्रवेश लेने हेतु स्थानान्तरण प्रमाण पत्र तथा जन्म प्रमाण पत्र न होने पर भी उसे प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाएगी। इन प्रमाण पत्रों के अभाव में उसे शिक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता।

किसी भी स्कूल के शिक्षकगण किसी बच्चे के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं करेंगे। बच्चे के माता पिता/ अभिभावक की गरीबी अथवा उसके वंचित समूह एवं वर्ग से होने के कारण उसके साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेंगे। ऐसा अधिनियम में स्पष्ट प्राविधानित किया गया है। यही नहीं यदि किसी विद्यालय में ऐसे बच्चों से प्रवेश के लिए किसी प्रकार की फीस अथवा कोई अन्य शुल्क लिया जाता है तो इसे दण्डनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। ऐसा करने पर सम्बन्धित विद्यालय पर पच्चीस हजार रूपए तक का जुर्माना भी हो सकता है।

बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 के अन्तर्गत प्राविधानित नियमों के अनुसार कोई विद्यालय किसी बच्चे को उसकी प्राथमिक शिक्षा के पूरी होने तक किसी भी बच्चे को पिछली कक्षा में नहीं रोकेगा। विद्यालयों को कक्षा पाँच से कक्षा आठ तक के प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अन्त में नियमित परीक्षा संचालित करना होगा। यदि कोई विद्यार्थी सम्बन्धित परीक्षा को उत्तीर्ण करने में असफल होता है तो उसे अतिरिक्त शिक्षण प्रदान करने का दायित्व विद्यालय का होगा। ऐसे असफल विद्यार्थियों को अतिरिक्त शिक्षण प्रदान करने के उपरान्त विद्यालय द्वारा उस बच्चे की पुनः परीक्षा कराई जाएगी और उसका पुनः मूल्यांकन करना होगा। सम्बन्धित विद्यार्थी के परीक्षा में पुनः सफल होने के उपरान्त उसे अगली कक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा। परन्तु, यदि वह विद्यार्थी परीक्षा में पुनः असफल हो जाता है तो उसे पिछली कक्षा में रोका जा सकता है। सम्बन्धित बच्चे को उसकी प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण होने तक उसे प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। शिक्षा में कमजोर होने के कारण किसी बच्चे को विद्यालय से निकाला भी नहीं जाएगा।

बच्चे ही देश की सर्वोच्च सम्पत्ति और देश का भविष्य होते हैं। उनके भविष्य को संवारना और उन्हें समुचित शिक्षा प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना हम सबका दायित्व है। सरकार का पूरा प्रयास है कि प्रत्येक बच्चे की शिक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।

सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव